

---

shrIsubrahmaNyasharaNAgatigadyam

श्रीसुब्रह्मण्यशरणागतिगद्यम्

Document Information

---

Text title : subrahmaNyasharaNAgatigadyam

File name : subrahmaNyasharaNAgatigadyam.itx

Category : gadyam, subrahmanya, stotra

Location : doc\_subrahmanya

Transliterated by : Sivakumar Thyagarajan Iyer shivakumar24 at gmail.com

Proofread by : Sivakumar Thyagarajan Iyer, PSA Easwaran

Latest update : June 18, 2017, July 5, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 5, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

## श्रीसुब्रह्मण्यशरणागतिगद्यम्



ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥

अथ श्रीसुब्रह्मण्यशरणागतिगद्यम् ॥


ॐ देवदेवोत्तम, देवतासार्वभौम, अखिलाण्डकोटिब्रह्माण्डनायक,  
भगवते महापुरुषाय, ईशात्मजाय, गौरीपुत्राय,  
अनेककोटितेजोमयरूपाय, सुब्रह्मण्याय, अग्निवायुगङ्गाधराय,  
शरवणभवाय, कार्तिकेयाय, षण्मुखाय, स्कन्दाय,  
षडक्षरस्वरूपाय, षड्वेत्रवासाय, षड्कोणमध्यनिलयाय,  
षडाधाराय, गुरुगुहाय, कुमाराय, गुरुपराय,  
स्वामिनाथाय, शिवगुरुनाथाय, मयूरवाहनाय, शक्तिहस्ताय,  
कुक्कुटध्वजाय, द्वादशभुजाय, अभयवरदपङ्कजहस्ताय,  
परिपूर्णकृपाकटाक्षलहरिप्रवाहाष्टादशनेत्राय,  
नारदागस्त्यव्यासादिमुनिगणवन्दिताय, सकलदेवसेनासमूहपरिवृताय,  
सर्वलोकशरण्याय, शूरपद्मतारकसिंहमुखक्रौञ्चासुरादिदमनाय,  
भक्तपरिपालकाय, सुरराजवन्दिताय, देवसेनामनोहराय,  
नम्बिराजवन्द्याय, सुन्दरवल्लीवाञ्छितार्थमनमोहनाय, योगाय,  
योगाधिपतये, शान्ताय, शान्तरूपिणे, शिवाय, शिवनन्दनाय,  
षष्टिप्रियाय, सर्वज्ञानहृदयाय, शक्तिहस्ताय, कुक्कुटध्वजाय,  
मयूरगमनाय, मणिगणभूषिताय, गमगममालाभूषणाय,  
चन्दनविभूतिकुङ्कुमतिलकरुद्राक्षभूषिताय, भक्तापनिवारकाय,  
भक्ताभीष्टप्रदाय, भक्तानन्दकराय, भक्ताह्लादकराय,  
भक्तयोगक्षेमवहनाय, भक्तमङ्गलप्रदाय, भक्तभक्तिप्रदाय,  
भक्तभक्तिमग्न्याय, भक्तचिन्तामणे, वल्ली-देवसेना, शिव-शक्ति,  
गणेश, शास्ता, आञ्चनेय, महाविष्णु, महालक्ष्मी,  
नववीरसोदरसमेत अतिशय अपारकरुणामूर्त्तये,  
तव कमलमृदुलचरणारविन्दयोः नमो नमः ।

श्रीश्रीसुब्रह्मण्यस्वामिन् विजयी भव जयविजयी भव ।


Encoded by Sivakumar Thyagarajan Iyer shivakumar24 at gmail.com

Proofread by Sivakumar Thyagarajan Iyer, PSA Easwaran

---

——  
*shrIsubrahmaNyasharaNAgatigadyam*

pdf was typeset on July 5, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

